Publication	The Pioneer	Language	English
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	01/07/2023	Page no	4
CCM	26.38		

Modi to address 17th Indian Cooperative Congress today

PIONEER NEWS SERVICE ■ NEW DELHI

On the occasion of International Day of Cooperatives, Prime Minister Narendra Modi will address the 17th Indian Cooperative Congress at Pragati Maidan here on Saturday, majorly highlighting the steps taken by his Government to boost the cooperative sector in the country.

Driven by the belief that cooperatives can help the country to achieve "Sahakar Se Samriddhi" and make India a USD 5 trillion economy, Modi's address comes at a time when the new National Cooperative Policy is being formulated by a committee, under the chairmanship of former Union cabinet minister Suresh Prabhu.

The 17th Indian Cooperative Congress main objective is to discuss various

trends in cooperative movement, showcase best practices being adopted, deliberate challenges being faced and chalk out future policy direction for growth of India's cooperative movement.

On the occasion, Modi will also launch an e-commerce platform NCUI Haat for cooperative products and unveil a cooperative extension and advisory services portal, focusing on a 'learning management system' that provides information and services for cooperative members, leaders, managers and the general public.

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	Amar Ujala	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	01/07/2023	Page no	14
CCM	8.44		

आज 17वीं भारतीय सहकारी कांग्रेस को संबोधित करेंगे पीएम

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर 17वीं भारतीय सहकारी कांग्रेस को संबोधित करेंगे। इसका आयोजन राजधानी स्थित प्रगति मैदान में किया जाएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि 'सहकार से समृद्धि' के दृष्टिकोण के तहत प्रधानमंत्री के दृढ़ विश्वास से प्रेरित होकर सरकार देश में सहकारी आंदोलन को बढ़ावा देने के लिए लगातार कदम उठा रही है। 17वीं भारतीय सहकारी कांग्रेस का आयोजन 1-2 जुलाई को किया जा रहा है। एजेंसी

Internal (for authorised circulation only)
Downloaded from
SAMVAD

Publication	Rashtriya Sahara	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	01/07/2023	Page no	10
CCM	51.66		

सहकारिता क्षेत्र में परिवर्तन का मकसद बताएगी सरकार

■ अजय तिवारी

नई दिल्ली। एसएनबी

सरकार सहकारिता महासम्मेलन में बताएगी कि आखिर सहकारिता क्षेत्र में किए जा रहे परिवर्तनों के पीछे उसकी क्या मंशा है। समझा जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को महासम्मेलन के उद्घाटन भाषण में बताएंगे कि सहकारिता क्षेत्र को आधुनिक और अनुशासित करने से बड़े वर्ग को और विशेषकर ग्रामीण आबादी को बहुत फायदा पहुंचेगा। सरकार का फोकस इस क्षेत्र का विस्तार करके इससे अधिक संख्या में रोजगार पैदा करना है। हालांकि सहकारिता क्षेत्र सरकार की प्राथमिकताओं में आने से उन पदाधिकारियों को अपने भविष्य की फिक्र हो रही है जिनका दशकों से सहकारी समितियों और सहकारी बैंकों में दबदबा है। सरकार सरकारी समितियों में पारदर्शी तरीके से चुनाव कराने पर जोर दे रही है। उसका तो कहना यह भी है कि चुनाव कराने के लिए चुनाव आयोग जैसी संस्था की भी आवश्यकता है।

ये ही वजह है कि सहकारी समितियों के कुछ पदाधिकारी इस तरह की आशंका व्यक्त कर रहे हैं कि सरकार सहकारी क्षेत्र को अपने नियंत्रण में लेना चाहती है। हालांकि सहकारिता मंत्री अमित शाह सहकारी संस्थाओं के पदाधिकारियों के साथ चर्चा करके उन्हें पहले ही स्पष्ट कर चुके है कि सरकार का इरादा सहकारिता क्षेत्र को व्यापक बनाने का है क्योंकि इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। सरकार ने हाल में प्राथमिक कृषि साख समितियों (पैक्स) को जन औषधि केंद्र खोलने की अनुमति दी है। इससे पहले सरकार ने पैक्स को पेट्रोल पंप और गैस एजेंसी देने का निर्णय लिया था। सरकार सहकारिता क्षेत्र का लाभ नीचे तक ले जाना चाहती है और इस क्षेत्र के जरिए अधिक संख्या में व्यक्तियों को रोजगार दिलाना चाहती है। सरकार ने पहली बार सहकारी समितियों का डेटा तैयार करने का बड़ा काम किया है। सरकार यह भी चाहती है कि सहकारी समितियां आपस में एक-दूसरे को सहयोग भी करें।उसने प्राथमिक कृषि साख समितियों (पैक्स) का कम्प्यूटरीकरण भी शुरू कराया है।

> सहकारिता महासम्मेलन में प्रधानमंत्री इस क्षेत्र को आधुनिक और अनुशासित बनाने के फायदे गिना सकते हैं
>
> सुधार की वजह से यह आशंकाएं भी हैं कि सरकार सहकारिता क्षेत्र पर नियंत्रण करना चाहती है

राज्यों की आशंकाएं भी दूर करनी होंगी

सहकारिता नीति और आदर्श राज्य सहकारिता अधिनियम को लेकर केंद्र और राज्यों के बीच ठीक से सहमति नहीं बन सकी है। राज्यों की इस बारे में तमाम आशंकाएं है। सहकारिता मंत्रालय ने इसे उपयोगी बताकर लगातार समझाने का प्रयास अवश्य किया है। सहकारिता महासम्मेलन में भी इस मुद्दे पर चर्चा होगी। एक सत्र आदर्श राज्य सहकारिता अधिनियम पर चर्चा का ही है।

सहकारिता की ट्रेनिंग कौन देगा ? : सरकार सहकारिता शिक्षा एवं प्रशिक्षण में भी सुधार चाहती है, इसी वजह से सहकारिता विश्वविद्यालय बना रही है। सहकारिता शिक्षा एवं प्रशिक्षण का काम लंबे समय से भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) करता आया है, लिहाजा उसकी भूमिका आगे क्या रह जाएगी, इसको लेकर भी चिंता है। एनसीयूआई के अध्यक्ष दिलीप संघानी ने भी माना कि यह बड़ा विषय है क्योंकि शिक्षा एवं प्रशिक्षण हमारा काम रहा है। उन्होंने बताया कि इस विषय में सरकार के साथ लगातार बात चल रही है और सरकार ने आश्वस्त किया है कि एनसीयूआई को साथ लेकर चला जाएगा।

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	Pioneer	Language	English
Edition	Dehradun	Journalist	
Date	01/07/2023	Page no	04
CCM	N/A		

Modi to address 17th Indian Cooperative Congress today

PIONEER NEWS SERVICE ■ NEW DELHI

On the occasion of International Day of Cooperatives, Prime Minister Narendra Modi will address the 17th Indian Cooperative Congress at Pragati Maidan here on Saturday, majorly highlighting the steps taken by his Government to boost the cooperative sector in the country.

Driven by the belief that cooperatives can help the country to achieve "Sahakar Se Samriddhi" and make India a USD 5 trillion economy, Modi's address comes at a time when the new National Cooperative Policy is being formulated by a committee, under the chairmanship of former Union cabinet minister Suresh Prabhu.

The 17th Indian Cooperative Congress main objective is to discuss various

trends in cooperative movement, showcase best practices being adopted, deliberate challenges being faced and chalk out future policy direction for growth of India's cooperative movement.

On the occasion, Modi will also launch an e-commerce platform NCUI Haat for cooperative products and unveil a cooperative extension and advisory services portal, focusing on a 'learning management system' that provides information and services for cooperative members, leaders, managers and the general public.

****

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD